भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1937** जिसका उत्तर
मंगलवार, 10 मार्च, 2026 (19 फाल्गुन, 1947 (शक)) को दिया जाना है

अलंग शिप यार्ड का विकास

1937 # श्री गोविंदभाई लालजी भाई धोलकिया :

क्या **पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले वर्ष में अलंग शिप ब्रेकिंग यार्ड में आगमन हुए पोतों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या यह सच है कि अलंग में आने वाले पोतों की संख्या दिन-प्रतिदिन घट रही है;

(ग) यदि हाँ, तो क्या सरकार ने इस विषय में कोई अध्ययन करवाया है;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) उद्योग को इस स्थिति से बाहर निकालने हेतु सरकार की क्या योजना है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ङ): कैलेंडर वर्ष 2024 में अलंग शिप ब्रेकिंग यार्ड में 110 पोतों का आगमन हुआ जबकि वर्ष 2025 में 123 पोतों का आगमन हुआ।

शिप ब्रेकिंग उद्योग को सहायता देने के लिए, सरकार ने अलंग में शिप ब्रेकिंग यार्डों के अवसंरचनागत उन्नयन में सहायता प्रदान की है, जिससे यूरोपीय संघ ध्वजांकित जलयानों को पुनर्चक्रण हेतु अलंग लाने के लिए हांग कांग कन्वेंशन के साथ-साथ यूरोपीय संघ पोत पुनर्चक्रण विनियम का अनुपालन आसान हो गया है। इसके अतिरिक्त, गुजरात राज्य सरकार ने विगत पांच वर्षों के दौरान वार्षिक नियत प्रभारों में 145 करोड़ रु. की वित्तीय छूट प्रदान की है। भारत सरकार ने भारत में पोत पुनर्चक्रण को प्रोत्साहित करने के लिए एक पोत पुनर्चक्रण क्रेडिट नोट योजना को भी अनुमोदन प्रदान किया है।

****